रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने हेतु इंडोनेशिया की शांति योजना

प्रिलिम्स के लिये:

रूस और यूक्रेन युद्ध, यूरोपीय संघ, शंगरी-ला डायलॉग (SLD), संयुक्त राष्ट्र शांति सेना, यूरोपीय संघ

मेन्स के लिये:

शंगरी-ला डायलॉग रक्षा शिखर सम्मेलन, रूस और यूक्रेन के बीच मुद्दा

चर्चा में क्यों?

इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने 3 जून को **सिंगापुर में शंगरी-ला वार्ता रक्षा शिखर सम्मेलन** के दौरान एक शांति योजना पेश की **जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को हल करना** था।

शंगरी-ला वार्ता रक्षा शिखर सम्मेलन की प्रमुख विशेषताएँ:

- **इंडोनेशिया का शांति प्रस्ताव:**
  - **शत्रुता की तत्काल समाप्ति:** वर्तमान में रूस और यूक्रेन दोनों में चल रही शत्रुता को रोकने का आह्वान करते हुए **गंभीर आर्थिक एवं खाद्य आपूर्ति के मुद्दों ने एशियाई देशों को प्रभावित किया है।**
  - **वर्तमान स्थितियों में युद्धविराम:** इस योजना में **वर्तमान मोर्चे पर युद्धविराम का सुझाव दिया गया है** जिसका उद्देश्य लड़ाई को समाप्त करना और भविष्य में हताहतों की संख्या को कम करना है।
  - **विसैन्यीकृत क्षेत्रों की स्थापना:** विसैन्यीकृत क्षेत्रों के निर्माण का प्रस्ताव दिया जो अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और **संयुक्त राष्ट्र शांति सेना बलों** द्वारा गारंटीकृत होंगे।
  - **संयुक्त राष्ट्र-संगठित जनमत संग्रह:** यह योजना प्रभावित आबादी की आकांक्षाओं को निर्धारित करने हेतु संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित और निगरानी वाले विवादित क्षेत्रों में **एक जनमत संग्रह कराने का सुझाव देती है।**
- **अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य:**
  - **चीन की शांति योजना:** चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस और यूक्रेन के बीच शत्रुता को समाप्त करने के लिए चीन द्वारा प्रस्तावित 12 सूत्री शांति योजना जारी की।
    - इस योजना में रूस की सुरक्षा चिंताओं पर विचार करते हुए युद्धविराम की मांग करना, यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान करना, कैदियों की अदला-बदली को सुविधाजनक बनाना और एकतरफा प्रतिबंधों को हटाना शामिल है।
  - **यूक्रेन को पश्चिमी सहयोगियों की मदद:** चीन के विपरीत संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों ने रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन को महत्त्वपूर्ण सैन्य सहायता प्रदान की है।

शांगरी ला डायलॉग

- शांगरी ला डायलॉग (SLD) सिंगापुर में एक स्वतंत्र थिंक टैंक, **इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज़ (IISS)** द्वारा आयोजित एक **वार्षिक अंतर-सरकारी सुरक्षा सम्मेलन है।**
  - डायलॉग में रक्षा मंत्रियों, मंत्रालयों के स्थायी प्रमुखों और ज़्यादातर एशिया-प्रशांत राज्यों के सैन्य प्रमुखों के साथ-साथ विधायकों, अकादमिक विशेषज्ञों, पत्रकारों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
  - संवाद का नाम **सिंगापुर में शांगरी-ला होटल के नाम पर रखा गया है, जहाँ यह वर्ष 2002 से आयोजित किया जा रहा है।**
- फोरम का उद्देश्य क्षेत्र में रक्षा और सुरक्षा समुदाय में सबसे महत्त्वपूर्ण नीति निर्माताओं के बीच समुदाय की भावना पैदा करना एवं व्यावहारिक सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है।

रूस और यूक्रेन के बीच मुद्दा:

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - [सोवियत संघ]() के हिस्से के रूप में **रूस के बाद यूक्रेन दूसरा सबसे शक्तिशाली सोवियत गणराज्य था** और रणनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण था।
  - **जब से यूक्रेन सोवियत संघ से अलग हुआ, रूस और पश्चिमी देशों, दोनों ने क्षेत्र में शक्ति संतुलन को अपने पक्ष** में बनाए रखने हेतु देश पर अधिक प्रभाव को लेकर होड़ देखी गई है।
- **संघर्ष की शुरुआत:**
  - **यह फरवरी 2014 में शुरू हुआ जब रूस ने बड़े पैमाने पर रूसी आबादी और रणनीतिक नौसैनिक अड्डे के साथ यूक्रेनी स्वायत्त गणराज्य क्रीमिया** पर गुप्त रूप से आक्रमण किया एवं कब्ज़ा कर लिया।
  - रूस ने रूसी समर्थक अलगाववादियों का भी समर्थन किया जिन्होंने डोनेट्स्क और लुहांस्क के पूर्वी क्षेत्रों में यूक्रेनी सरकार के खिलाफ हथियार उठाए, जिन्हें सामूहिक रूप से डोनबास के रूप में जाना जाता है।
    - **संघर्ष में नौसैनिक घटनाएँ, साइबर हमले, प्रचार अभियान और राजनीतिक हत्याएँ भी शामिल हैं।**
  - इसने रूस और पश्चिम के बीच भी तनावपूर्ण संबंध बनाए हैं, जिन्होंने एक-दूसरे पर प्रतिबंध लगाए हैं एवं एक-दूसरे पर हस्तक्षेप तथा आक्रामकता का आरोप लगाया है।
- **रूस-यूक्रेन युद्ध 2022:**
  - वर्ष 2022 में रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण रूप से आक्रमण किया, जिसमे मिसाइल हमलों के साथ देश भर के **शहरों को लक्षित किया और अपने सैनिकों एवं प्रॉक्सी को कई मोर्चों पर आगे बढ़ाया। आक्रमण ने एक वैश्विक संकट तथा मानवीय आपदा** को जन्म दिया।
  - संघर्ष के मुख्य कारण **ऐतिहासिक, भू-राजनीतिक और वैचारिक हैं।**
    - **रूस, यूक्रेन को अपने प्रभाव क्षेत्र के हिस्से के रूप में देखता है और नाटो एवं यूरोपीय संघ में शामिल होने हेतु अपने समर्थक पश्चिमी अभिविन्यास तथा आकांक्षाओं का विरोध करता है।**
    - **यूक्रेन, रूस को एक आक्रामक एवं अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता हेतु खतरे के रूप में देखता है।**
  - संघर्ष के मुख्य लक्ष्य विवादित हैं। **रूस यूक्रेन में जातीय रूसी और रूसी बोलने वालों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने,** ऐतिहासिक न्याय बहाल करने तथा पश्चिमी अतिक्रमण का मुकाबला करने का दावा करता है।
    - **यूक्रेन अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और यूरोपीय एकीकरण की रक्षा करने** का दावा करता है।
  - **आशय**:
    - संघर्ष के गहरे और दूरगामी निहितार्थ हैं। वे **दुनिया की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि को प्रभावित करते हैं, दुनिया में शक्ति और व्यवस्था** के संतुलन को प्रभावित करते हैं, अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा मानवाधिकारों के मानदंड एवं मूल्य, क्षेत्र में लोकतंत्र व विकास की संभावनाएँ और लाखों लोगों के जीवन तथा भविष्य को प्रभावित करते हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2023)

1. बुल्गारिया
2. चेक रिपब्लिक
3. हंगरी
4. लातविया
5. लिथुआनिया
6. रोमानिया

उपर्युक्त में से कितने देश यूक्रेन के साथ भूमि सीमा साझा करते हैं?

(a) केवल दो
(b) केवल तीन
(c) केवल चार
(d) केवल पाँच

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दिये गए मानचित्र के अनुसार, हंगरी और रोमानिया यूक्रेन के साथ अपनी भूमि सीमाएँ साझा करते हैं।

अतः विकल्प A सही है।

[स्रोत: द हिंदू]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indonesia-s-peace-plan-to-end-russia-ukraine-conflict